International Journal for Multidisciplinary Research
Plagiarism & Intellectual Property Rights in Digital Age (PIPRDA-2023)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

समाजशास्त्र विषय में रोजगार के अवसर

डॉ. अनामिका प्रजापति

सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र सुभद्रा शर्मा शासकीय कन्या महाविद्यालय गंजबासौदा, जिला–विदिशा, मध्यप्रदेश

शोध–सार

समाजशास्त्र विषय का सीधा संबंध सामाजिक सरोकारों से होता है। इसके माध्यम से आप एक पंथ दो काज कर सकते हैं। एक तो आपको रोजगार मिल जाएगा, दूसरा समाज से हमेशा जुड़े रहने और उसकी समस्याओं को दूर करनेके अवसर भी आपको बराबर मिलते रहेंगे। आज समाजशास्त्र का ज्ञाता नियोजक, प्रशासक, समाज कल्याण आयुक्त, अधिकारी, श्रम आयुक्त और अधिकारी, विकास खण्ड अधिकारी, प्रोबेशन और पैरोल अधिकारी आदि के रूप में नियुक्ति के समय प्राथमिकता पाता है। विभिन्न प्रकार की व्याधि की स्थितियों और समस्याओं का अध्ययन करके एक समाजशास्त्री उसके निवारण में एक चिकित्सक का कार्य करता है।

समाजशास्त्र की व्यावहारिक उपयोगिता व्यावसायिक क्षेत्र में उत्तरोत्तर बढ़ती जा रही है। समाज में एक समाजशास्त्री की भूमिका आज सामाजिक अभियन्ता और सामाजिक चिकित्सक के रूप में प्रमुख होती जा रही है क्योंकिं नियोजित सामाजिक परिवर्तन और नियोजित सामाजिक विकास की योजनाओं के निर्माण और उसके क्रियान्वयन में समाज वैज्ञानिक का आज विशिष्ट योगदान रहता है क्योंकि बिना समाजशास्त्रीय ज्ञान के विकास की नीति और योजना का निर्माण नहीं किया जा सकता। इस रूप में एक समाजशास्त्री सामाजिक अभियन्ता का कार्य करता है।

keywords - समाजशास्त्र, रोजगार, व्यवसायिक, सामाजिक कार्यकर्ता, रूरल डेवलपमेन्ट, सोशल मीडिया।

"व्यापार सरकार, उद्योग, नगर–नियोजन, सामाजिक कार्य, सर्वेक्षण, प्रशासन एवं सामुदायिक जीवन के अन्य क्षेत्रों में समाज–वैज्ञानिकों की मांग मुख्य रूप से बढ़ती जा रही है जो शोधकार्य में पूर्णतः प्रशिक्षित हैं।"[1]

– बीरस्टीड

आज का युग व्यवसाय का युग है इस व्यवसायिक युग में हर ज्ञान और विज्ञान की उपयोगिता का सीधा संबंध उसके व्यावसायिक महत्व से जोड़ा जाता है। इस विषय के प्रति पिछले एक दशक में लोगों का रुझान खूब बढ़ा है। ऐसे में समाजशास्त्र में ग्रेजुएशन करने के बाद क्या करें और कहां से करें, कितना खर्चा आएगा आदि प्रश्न विचारणीय है।

समाजशास्त्र सामाजिक विज्ञान की एक शाखा है यह सामाजिक संबंधों, संस्थाओं और समूहों का वैज्ञानिक अध्ययन हैं। समाजशास्त्र सिर्फ एक विषय ही नहीं बल्कि एक ऐसा अनुशासन होता है जिसके माध्यम से हम समाज के साथ जुड़ते हैं। हम समाज की संस्कृति, लोगों के विचार आदि से परिचित होते हैं। हमारे अंदर समाज में हो रहे बदलाव व जरूरतों में अपनी भागीदारी निभाने की समझदारी विकसित होती है। अगस्त काम्टे वह पहले विद्वान थे जिन्होने मानवीय अंतर्संबंधों के विज्ञान के संदर्भ में समाज विज्ञान शब्द का प्रयोग किया था।

समाजशास्त्र एक ऐसा विषय है, जिसमें देश में ही नहीं, विदेशों में भी स्नातक करने के बाद पढ़ाई के कई अवसर मौजूद हैं। यूएन से लेकर विश्व बैंक तक, व्यापार से लेकर कॉरपोरेट जगत तक आज सभी इसकी उपयोगिता और आवश्यकता को समझते हैं। तभी तो बिल गेट्स से लेकर अजीम प्रेमजी तक सभी ने अपनी कंपनी की ब्रैंड विजिबिलिटी को बढ़ाने के लिए समाजसेवा को कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सि बिलिटी का हिस्सा बना लिया है। ऐसे में रोजगार के अवसर बढ़ाना तो स्वाभाविक है ही, साथ ही इसके प्रति छात्रों का रुझान भी बढ़ा है।

समाजशास्त्र में मास्टर्स के बाद छात्रों के पास रोजगार के कई अवसर उपलब्ध हैं। इस विषय में मास्टर करने वाला छात्र निम्नलिखित मेंसे किसी भी क्षेत्र में अपनी जगह बना सकता है। जैसे– शिक्षण और इससे जुड़े हुए व्यवसाय में आपराधिक न्याय, समाज कल्याण, सरकारी परियोजना, परामर्शदाता के रूप में, दान और समाज सेवी संस्थानों में, समाज कल्याण से जुड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में, जैसे यूनेस्को, यूएन, डब्ल्यू.एच.ओ., रेडक्रॉस आदि। विश्व के लगभग सभी प्रमुख संस्थानों में इसकी पढ़ाई होती है। अमेरिका से लेकर ब्रिटेन तक और चीन से लेकर जापान तक सभी जगह इस विषय को सोशल साइंस के नाम से पढ़ाया जाता है। जहां तक भारतीय छात्रों की जरूरतों को देखते हुए इसके अध्ययन की व्यवस्था है तो सबसे पहली पसंद के रूप में ब्रिटेन अथवा अमेरिका हैं। इन सब में लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स का विशेष स्थान है। इसके बाद अमेरिका की हॉर्वर्ड, येल यूनिवर्सिटी, पेंसिलवेनिया अन्य प्रमुख संस्थान हैं। कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड का भी सोशल साइंस के क्षेत्र में विशेष स्थान रहा है।

स्कॉलरशिप पढ़ाई के दौरान होने वाला कुल खर्च लगभग 15 से 20 लाख रुपये के आस पास आता है। समाजशास्त्र में मास्टर करने के लिए दुनिया के अलग–अलग विश्वविद्यालयों में विभिन्न नामों से कई स्कॉलरशिप भी दी जाती हैं। मसलन, कॉमनवेल्थ स्कॉलरशिप, फुल ब्राइट स्कॉलरशिप, रोड्स स्कॉलरशिप आदि।

समाजशास्त्र विषय में कैरियर के लिये पाठ्यक्रम

- 12वीं की कक्षा में आर्ट सब्जेक्ट में समाजशास्त्र
- समाजशास्त्र में ग्रेजुएशन
- बी.ए. आनर्स (समाजशास्त्र)
- समाजशास्त्र में पोस्ट ग्रेजुएशन
- मास्टर इन रूरल डेवलपमेन्ट
- मास्टर इन क्रिमिनोलॉजी
- मास्टर इन सोशल मीडिया
- एम.एस. डब्ल्यू

- एम.ए. सोशल वर्क
- नेट
- सेट
- पीएच–डी.

समाजशास्त्र विषय में रोजगार के अवसर–

1. शिक्षण और रिसर्च में अवसर –

मास्टर डिग्री लेने के बाद आप महाविद्यालय, विश्वविद्यालय में रिसर्च और पढ़ाने का काम कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हर इंस्टिट्यूट में रिसर्च सहायक की आवश्यकता होती ही है और इसके लिए अच्छी खासी फंडिंग में होती है। इसके अलावा आप चाहे तो असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं।

2. मानव संसाधन मे अवसर –

समाजशास्त्र का अध्ययन करने के बाद लोगों की जरूरतों, उनके दृष्टिकोण और उनके तौर–तरीके को समझना काफी आसान हो जाता है। आप इंडस्ट्री में मानव संसाधन के एक्सपर्ट के तौर पर अपने आप को प्रस्तुत करके अच्छा कैरीयर बना सकते हैं।

3. समाजशास्त्री के रूप में कैरियर –

समाजशास्त्री अलग–अलग प्रकार के संदर्भों का समाज में अध्ययन करते हैं। इन अध्ययनों में सामाजिक संस्थान, व्यवसाय और धार्मिक समुदाय शामिल होते हैं। डॉक्टरेट की उपाधि हासिल करने के बाद आमतौर पर समाजशास्त्री एकेडमिक संस्थानों में शोधकर्ता के रूप में काम करते हैं।

4. सिविल उच्च शिक्षा में अवसर –

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि समाजशास्त्र सिविल सेवाओं में बहुत ही पॉपुलर सब्जेक्ट है। इसमें जो व्यक्ति कैरियर बनाता है उसका वेतन अन्य कर्मचारियों से ज्यादा होता है। इसमें वेतन में वृद्धि भी होती है।

5. पब्लिक रिलेशन में अवसर –

स्नातक करने के बाद समाजशास्त्र में पब्लिक रिलेशन को कैरियर के रूप में चुना जा सकता है। यहां पर व्यक्ति एक सामाजिक व्यक्ति के तौर पर अपना काम करता है। वह व्यक्ति किसी संगठन या कंपनी की ओर से काम करते हैं। ऐसे व्यक्ति आमतौर पर प्रेस विज्ञप्ति और अन्य मीडिया जानकारी को ड्राफ्ट करने, सोशल मीडिया के मैनेजमेंट और उनके प्रचार से संबंधित घटनाओं के विज्ञापन के लिए काम करते हैं।

6. लेखन स्वतंत्र पत्रकारिता में अवसर –

समाजशास्त्र के विद्यार्थियों के लिए विश्लेषणात्मक की वजह से स्वतंत्र पत्रकारिता में बहुत से विकल्प हैं। अगर आप सांस्कृतिक और सामाजिक मुद्दों पर अच्छी पकड़ रखते हैं तो आप एक अच्छे लेखक बनकर इसमें अपना कैरियर बना सकते हैं।

समाजशास्त्र के विद्यार्थियों के लिये नौकरी

- **समाजिक कार्यकर्ता (Social Worker)**

सामाजिक कार्य एक ऐसा पेशेवर व शैक्षिक क्षेत्र हैए जिसकी मदद से एक व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति, समूह या समुदाय के जीवन स्तर को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करता है। एक सामाजिक कार्यकर्ता को सरकारी व निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता विपत्ति तथा दुखों से राहत दिलाने एवं उनके निवारण का प्रयत्न करते हैं। उपयुक्त सेवाओं की व्यवस्था करके और उन्हें परिचालित करके तथा सामाजिक नियोजन में योगदान देकर व्यक्तियों, परिवारों, समूहों एवं समाज की सहायता करना उनका दायित्व होता है। सामाजिक कार्य में स्नातक की डिग्री पूरी करें । वैकल्पिक रूप सेए यदि आपके पास पहले से ही तृतीयक योग्यता है तो आप दो वर्षीय मास्टर ऑफ सोशल वर्क पूरा कर सकते हैं।

- **पत्रकार (Journalist)**

पत्रकार उस व्यक्ति को कहते हैं जो समसामयिक घटनाओंए लोगोंए एवं मुद्दों आदि पर सूचना एकत्र करता है एवं जनता में उसे विभिन्न माध्यमों की मदद से फैलाता है। इस व्यवसाय या कार्य को पत्रकारिता कहते हैं। उन उम्मीदवारों के लिए जिनके पास लेखन की क्षमता है और जन दृष्टिकोण को देखने और सामाजिक मुद्दों का विश्लेषण करने की अच्छी समझ है, पत्रकारिता आदर्श विकल्प है। भारत में शीर्ष समाचार एजेंसियां और प्रकाशन हमेशा सामाजिक परिस्थितियों को समझने वाले पेशेवरों की तलाश में रहते हैं। पत्रकार हेतु आवेदक के लिये आवश्यक है कि किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड सें 12 वीं कक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की हो। जर्नलिज्म में पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स कम से कम 50 प्रतिशम अंको के साथ संबंधित विषय में बैचलर की डिग्री होनी चाहिए। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ माना जाता है। पत्रकारिता में बहुत शक्ति होती है वह किसी भी मुद्दे को समाज व सरकार के बीच लाकर उसका समाधान करती है।

- **स्वास्थ्य शिक्षक**

स्वास्थ्य शिक्षक यानि हेल्थ एजुकेटर वे लोग हैं जिन्होंने व्यक्तियों, समूहों या एक समुदाय को एक स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरुक करने का करियर चुना हो। वह अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने और व्यक्तिगत तौर पर लोगों की मदद करने के लिए विशेष पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण करते हैं। स्वास्थ्य शिक्षक के रूप में करियर बनाने के लिए सर्वप्रथम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है आप मनोविज्ञान और मानव विकास एवं सोशल वर्क में डिग्री हासिल कर सकते हैं। इसके बाद मास्टर्स करके आप अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ हो सकते हैं। द्विभाषी होने के कारण आप नौकरी के उम्मीदवार के रूप में अधिक योग्य हो सकते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य शिक्षक, स्कोलैस्टिक

एथलेटिक्स कोच, शारीरिक शिक्षा अध्यापक, स्कूल स्वास्थ्य शिक्षक के रुप में आप करियर बना सकते हैं। यही नहीं आप एथलेटिक्स व्यवस्थापक प्रमुख, स्कूली मनोवैज्ञानिक, परामर्शदाता के रुप में भी करियर संभावनाएं तलाश सकते हैं।

- **पुनर्वास सलाहकार (Rehabilitation Counsellor)**

पुनर्वास परामर्शदाता ऐसे लोगों के साथ काम करता है जिन्हें कोई चिंहित बीमारी न हो लेकिन उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की समस्या हो। वे उन अंदरूनी समस्याओं का उपचार करते हैं जिनकी वजह से असंतुलन पैदा होता है। काउंसलर या परामर्शदाता लोगों की मदद उनकी प्रवृत्तिया बदलने, धूम्रपान छोड़ने या ज़्यादा अर्थपूर्ण तरीके से अपनी जिंदगियां बिताने में भी करते हैं। पुनर्वास परामर्शदाता विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हैं। क्लिनिक, सामान्य और मनोरोग के इलाज के लिए निर्धारित अस्पतालों, यूनिवर्सिटी के मेडिकल केंद्रों में, सामुदायिक एजेंसियों में, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में, नर्सिंग होम, पुनर्वास केंद्रों, औद्योगिक और सरकारी प्रतिष्ठानों में, अदालतों और जेलों में स्कूल और यूनिवर्सिटी में और अन्य बहुत सारी जगहों पर काम करते हैं।

- **प्रशासनिक सहायता (Administrative Support)**

शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों को ऐसे पेशेवरों की आवश्यकता होती है जो व्यक्तिगत और सामूहिक मनोविज्ञान का आकलन कर सकें, मानव व्यवहार को समझ सकें और मुद्दों का निवारण कर सकें। समाजशास्त्री स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक कर्मचारियों का हिस्सा बन सकते हैं।

- **परिवार परामर्शदाता (Family Counsellor)**

समाजशास्त्री कुशल परामर्शदाता होते हैं और इसलिए उनकी विशेषज्ञता का उपयोग फैमिली काउंसलिंग में किया जाता है। न्यायालयों और थानों में परिवार परामर्श केंन्द्र होते है जिनमें विभिन्न पारिवारिक या वैवाहिक मुद्दों का आकलन करने और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए फैमिली काउंसलर नियुक्त किये जाते है जो अपने समाजशास्त्रीय ज्ञान का उपयोग कर विभिन्न समस्याओं का समाधान करते हैं।[2]

- **सर्वे रिसर्चर (Survey Researcher)**

जैसा कि नाम से पता चलता है, सर्वे रिसर्चर सर्वेक्षण करते हैं। इनमें सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों, स्वास्थ्य और संस्कृति पैटर्न का अवलोकन करना और उपभोक्ता किसी विशेष उत्पाद या सेवा पर कैसे प्रतिक्रिया दे रहे हैं, शामिल हैं। इस हेतु सर्वे रिसर्चर प्रश्नावली बनाते है और उपभोक्ताओं से उत्तर प्राप्त करते है और रिपोर्ट बनाने के लिए डेटा संग्रह और सांख्यिकीय विश्लेषण तकनीकों का उपयोग करते है।[3]

- **मानव संसाधन विशेषज्ञ (Human Resources Specialist)**

हर कंपनी में एक मानव संसाधन विशेषज्ञ होता है। समाजशास्त्री होने का एक हिस्सा हर दिन बड़ी संख्या में लोगों के साथ बातचीत करना शामिल है। यह एक मानव संसाधन विशेषज्ञ होने की नींव है। समाजशास्त्र के छात्रों को ह्यूमन रिसोर्सेज की अच्छी समझ होती है। आप HR की पोस्ट पर जॉब कर सकते हैं। समय–समय पर कंपनियों मैं एचआर की पोस्ट के लिए वैकेंसी निकलती रहती है जिनमें आप अप्लाई कर सकते हैं। HR का मुख्य काम होता है। कंपनी के ग्राहक व अन्य लोगों के व्यवहार को समझकर कंपनियों के लिए लाभ प्राप्त करना।[4]

- **नीति विशेषज्ञ (Policy Analyst)**

समाजशास्त्रियों को अपनी शैक्षणिक यात्रा में नीतियों का अध्ययन करना होता है। यही कारण है कि उन्हें सामाजिक मुद्दों का निरीक्षण करने और इन मुद्दों को हल करने के लिए विधायकों की सिफारिश करने के लिए नीति विश्लेषकों के रूप में काम पर रखा जाता है। समाजशास्त्री अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाजशास्त्रीय अनुसंधान डेटा का विश्लेषण करने के लिए यह समझने के लिए कर सकते हैं कि क्या विशेष कानून ने सामाजिक मुद्दों और जनसंख्या पर सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव डाला है।

- **ट्रैवल गाइड के रूप में कैरियर (Career as Travel Guide)**

हर साल हमारे भारत देश में कई विदेशी टूरिस्ट घूमने के लिए आते हैं और वह हमारे यहां आकर लोकल गाइड को स्थलों को घुमाने के लिए टेंपरेरी तौर पर संपर्क करते हैं। ऐसे में आप को अगर यात्रा स्थलों की सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारी है तथा आप उन स्थलों की परंपराओं के बारे में जानते हैं तो आप ट्रैवल गाइड के रूप में भी काम कर सकते हैं। आप समाजशास्त्र से ग्रेजुएशन पूरी करने के बाद इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।[5]

सामाजिक कार्य क्षेत्र में आप निजी और सरकारी कंपनियों में कार्मिक अधिकारी, समुदाय संगठनकर्ता या समन्वयक, सामाजिक कार्यकर्ता आदि के रूप में भी काम कर सकते हैं। इसके अलावा अध्यापन के क्षेत्र में बेहतरीन करियर बनाया जा सकता है। इसमें कैरियर बनाने के लिए सोशियोलॉजिस्ट, प्रोफेसर, कम्यूनिटी ऑर्गेनाइजर, कंसल्टेंट, लेक्चरर, काउंसलर आदि को चुन सकते हैं. सोशियोलॉजी में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद कैरियर के कई ऑप्शन मिल जाते हैं. जिसमे प्राइवेट और सरकारी दोनो सेक्टर में नौकरी करने के मौके मिलेंगे.।

व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवसाय की प्रगति के लिए सर्वेक्षण कराये जाते हैं जो समाजशास्त्र के ज्ञाताओं द्वारा किया जाता है। बड़े–बड़े उद्योग–धन्धे और कल–कारखानों में उत्पादित वस्तुओं के प्रचार–प्रसार में, उसके विक्रय में समाजशास्त्र के ज्ञाताओं का सहयोग लिया जाता है और इनके माध्यम से समाज में अपनी वस्तुओं का प्रचार–प्रसार किया जाता है। विविध प्रकार के व्यवसायों में समाजशास्त्र के ज्ञाता को विक्रय के क्षेत्र में, व्यवस्था के क्षेत्र में, प्रचार के क्षेत्र में, प्राथमिकता देने का कार्य किया जाता है।

उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उपयोगिता की जांच करने के लिए भी द्वार–द्वार (Door to Door) जो अभिकर्ता भेजे जाते हैं उनमें से अधिकांशतः समाजशास्त्र के ज्ञाता होते हैं और उन्हें इसलिए प्राथमिकता दी जाती है कि वे सामाजिक सम्बन्धों को प्रगाढ़ बनाने में तथा सामाजिक सम्पर्क करने में निपुण होते हैं और सहयोग के आधार पर वस्तुस्थिति से लोगों को अवगत कराते हैं और उनके विचारों तथा धारणाओं से सुचारू रूप से अवगत होते हैं। इस प्रकार औद्योगिक समाजशास्त्र की भी महत्ता व्यवसाय में अत्यधिक दिखलाई पड़ता है। आज

व्यवसाय और समाजशास्त्र का अत्यधिक निकट का सम्बन्ध स्थापित हो चुका है। यही कारण है कि समाजशास्त्र की एक विशिष्ट शाखा का प्रादुर्भाव हुआ जिसे हम 'व्यवसाय के समाजशास्त्र' (Sociology of Profession) के नाम से जानते हैं।

निष्कर्षतः

वर्तमान समय में शासकीय सेवाओं से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण पदों पर समाजशास्त्र के छात्रों को प्राथमिकता प्रदान की जा रही है। समाज कार्य से जुड़े सभी विभागों, गों ग्रामीण विकास के सभी पक्षों, क्षों सामुदायिक योजनाओं, ओं नियोजन, पंचायत विभाग, शिक्षा विभाग, जेल विभाग, परिवार कल्याण विभाग आदि में समाजशास्त्र के ज्ञान का उपयोग हो रहा है तथा समाजशास्त्र के छात्रों की आवश्यकता अनुभव की जाने लगी है। कहने का आशय यह है कि समाजशास्त्र के विद्यार्थियों को व्यावसायिक स्तर पर आधुनिक युग में जो महत्व प्रदान किया जा रहा है। उसका मुख्य कारण समाजशास्त्रीय ज्ञान ही है। शासकीय स्तर के महत्वपूर्ण पदों के अतिरिक्त प्राइवेट लिमिटेड अनेक कम्पनियों में भी बाजार सर्वेक्षण हेतु समाजशास्त्र का ज्ञान रखने वालों को प्राथमिकता प्रदान की जाने लगी है। इस प्रकार समाजशास्त्र का व्यावसायिक स्तर पर भी महत्व बढ़ता जा रहा है।

सन्दर्भ संकेत –

1. https://digicgvision.in/samajshastra-aur-vyavsaay-me-sambandh/
2. डॉ. डी.एस. बघेल और डॉ. किरण बघेल, समाजशास्त्र, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल, वर्ष–2022
3. https://navbharattimes.indiatimes.com/education/expertadvice/career-options-in-sociology-jobs-and-salary/articleshow/84063590.cms
4. https://www.hindishouter.in/sociology-me-career-kaise-banaye/
5. https://www.osir.in/smajsastra-me-career-kaise-bnaye-sociology-student-kitna-kmate-hai-top-collge-course-job-opportunity-in-hindi/